कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान में निगरानी प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग

चर्चा में क्यों?

एनवायरनमेंट एँड प्लानिंग एफ नामक पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व के वन रेंजरों ने **स्थानीय महिलाओं पर निगरानी रखने** और उन्हें **प्राकृतिक संसाधनों को इकट्ठा करने से रोकने** के लिये जानबूझकर ड्रोन **का इस्तेमाल** किया, जबकि वे कानूनी रूप से इन संसाधनों तक पहुँचने की हकदार थीं।

प्रमुख बिंदु

- **अध्ययन का महत्त्व:**
  - अध्ययन से पता चला कि **निगरानी प्रौद्योगिकियाँ उन स्थानीय महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं** जो दैनिक गतिविधियों के लिये वनों पर निर्भर हैं।
  - यह अध्ययन प्रौद्योगिकी, संरक्षण और सामाजिक समानता के अंतर्संबंध पर प्रकाश डालता है तथा हितधारकों से अधिक समावेशी दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह करता है।
- **महिलाओं के समक्ष आने वाली समस्याएँ:**
  - इस बात पर प्रकाश डाला गया कि हालाँकि **कैमरा ट्रैप जैसी प्रौद्योगिकियाँ** वन्यजीव निगरानी में आम हैं, लेकिन वे **अनजाने में गोपनीयता का उल्लंघन** कर सकती हैं और **मानव व्यवहार को बदल सकती हैं।**
  - ये निष्कर्ष इस बात को **सुनिश्चित करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं कि ऐसे उपकरण स्थानीय समुदायों को नुकसान न पहुँचाएँ।**
- **अनुशंसाएँ:**
  - उत्तर भारत में महिलाओं की पहचान उनकी दैनिक वन गतिविधियों से गहराई से जुड़ी हुई है, जिससे संरक्षण प्रयासों में उनके दृष्टिकोण पर विचार करना महत्त्वपूर्ण हो जाता है।
  - संरक्षण रणनीतियों में **वन्यजीव निगरानी और स्थानीय समुदायों की गरिमा, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के बीच संतुलन** बनाना होगा।

कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व

- **परिचय:**
  - यह **उत्तराखंड के नैनीताल ज़िले** में स्थित है। प्रोजेक्ट टाइगर को वर्ष 1973 में **कॉर्बेट नेशनल पार्क (भारत का पहला राष्ट्रीय उद्यान)** में लॉन्च किया गया था, जो कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व का हिस्सा है।
    - इस राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना **वर्ष 1936** में लुप्तप्राय बंगाल टाइगर **की रक्षा के लिये हैली राष्ट्रीय उद्यान के रूप में** की गई थी।
    - इसका नाम जिम कॉर्बेट के नाम पर रखा गया है जिन्होंने इसकी स्थापना में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
  - मुख्य क्षेत्र **कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान बनाता है, जबकि बफर क्षेत्र में आरक्षित वन** तथा सोनानदी वन्यजीव अभयारण्य शामिल हैं।
  - रिज़र्व का पूरा क्षेत्र पहाड़ी है और शिवालिक एवं बाह्य हिमालय भूगर्भीय प्रांतों में आता है।
- **वनस्पति:**
  - सघन नम पर्णपाती वन पाए जाते हैं। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के अनुसार, कॉर्बेट में पादपों की 600 प्रजातियाँ हैं - वृक्ष, झाड़ियाँ, फर्न, घास, जड़ी-बूटियाँ और बाँस। साल, खैर और शीशम के वृक्ष कॉर्बेट में सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले वृक्ष हैं।
- **जीव-जंतु:**
  - बाघों के अलावा कॉर्बेट में तेंदुए भी हैं । अन्य स्तनधारी जानवर जैसे जंगली बिल्लियाँ, बार्किंग डियर, चित्तीदार हरिण, सांभर हरिण, आदि भी वहाँ पाए जाते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/misuse-of-surveillance-technology-at-corbett-national-park